विचार बिन्दु

अधर्म की सेना का सेनापति झूठ है। जहाँ झूठ पहुँच जाता है वहाँ अधर्म-राज्य की विजय-दुंदुभी अवश्य बजती है। –सुदर्शन

हमास की हैवानियत

7 अक्टूबर 2023 को गाजा पट्टी में शासन कर रहे, हमास ने इजराइल के सीमावर्ती क्षेत्रों में सैंकडों रॉकेट दागे जिसके कारण 1000 से अधिक इसराईली नागरिक मारे, गए इनमें बड़ी संख्या में महिला एवं बच्चे शामिल हैं । साथ ही हमास के आतंकवादी इजरायल की सीमा पार करके इजराइल में घुस गए और अंधाधुंध गोलाबारी कर इजरायली लोगों को निशाना बनाया। उत्सव मना रहे इजराइली नागरिकों को अंधाधुंध गोलियों से मार डाला। न केवल यह, घरों से औरतों को घसीट कर ले गए और बच्चों तक को भी नहीं छोडा । कहा जाता है कि 200 से अधिक इसराइली नागरिक हमास के कब्जे में हैं।

इस आतंकवादी हमले की पूरे विश्व में निंदा हो रही है। कुछ लोग इसे फिलिस्तीनियों के साथ इजरायल द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया का रूप बता कर इसकी गंभीरता को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। पाठकों के लिए जानना बहुत आवश्यक है कि फिलीस्तीन के स्वतंत्रता आंदोलन और हमास को एक दृष्टि से देखना गलत है। भारत फ़िलीस्तीन के आंदोलन को सदैव समर्थन देता रहा है और ऐसा ही अब भी कर रहा है। यह उल्लेखनीय है कि 2006 के चुनाव में गाजा पट्टी राज्य में हमास ने विजय प्राप्त की जब कि वेस्ट बैंक में फाताह की सरकार है। फिलिस्तीन को समर्थन देना अलग बात है और हमास की निंदा करना अलग विषय है। 2007 से ही फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमास नामक संगठन का प्रभुत्व यहां चला आ रहा है । फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक वाले हिस्से में फिलहाल कोई समस्या नहीं थी और विश्व के कई देश फिलीस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। फ़िलीस्तीन की सरकार का मुख्यालय रामल्ला है। इसराइल अभी भी फिलीस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र मानने से इनकार करता है। इसराइल और फिलीस्तीन के बीच में विवाद पुराना है और इसका हल निकालना आवश्यक है, जिसके लिए प्रयास निरंतर जारी है। भारत सदैव से फिलिस्तीन के साथ खडा रहा है और उनके आंदोलन को अपनी ओर से नैतिक समर्थन भी देता रहा है। फिलिस्तीन के पूर्व राष्ट्रपति अराफात के साथ भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। वर्तमान में भी भारत सरकार ने फिलिस्तीन की मांग का समर्थन किया है।

जो लोग इस विषय को उलझाना चाह रहे हैं वे हमास द्वारा किए गए हमले को फिलिस्तीन की समस्या से जोडकर देख रहे हैं, जबकि ऐसा वास्तव में नहीं है। गाजा पट्टी फिलिस्तीन के एक छोटे से भाग का नाम है जिसका क्षेत्रफल कुल 365 वर्ग किलोमीटर है। यहां की जनसंख्या लगभग 25 लाख है।

गाजा में प्रवेश करने के केवल दो ही रास्ते हैं। एक ओर इजरायल की सीमा पर इरेज़ क्रॉसिंग है। यहां से गाजा पट्टी में प्रवेश करने के लिए इजरायल की सरकार से प्रवेश पत्र लेना आवश्यक है जो बहुत मुश्किल से प्राप्त होता है। दूसरा रास्ता मिस्त्र की ओर से रफा क्रॉसिंग से आता है । यह स्थान मिस्त्र की राजधानी काहिरा से 5 घंटे की दूरी पर स्थित है।

8 अक्टूबर से गाजा पट्टी का संपर्क पूरी दुनिया से कटा हुआ है और केवल मिस्त्र के रास्ते ही इसका संपर्क बाहर की दुनिया से सम्भव है। जिस बर्बरता से हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमला किया, उसकी निंदा सर्वत्र हुई है । कई वीडियो भी मीडिया के माध्यम से पूरे विश्व में दिखाए गए कि किस प्रकार इजरायली महिलाओं को घसीट कर हमास के आतंकवादियों द्वारा अपनी गाडियों में भरकर ले जाया गया एवं उनके साथ बदसलूकी की गई। हमास द्वारा कब्जे में लिए गए इजराईली नागरिकों को अभी तक हमास द्वारा छोडा नहीं गया है। 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजरायल ने अपने बयान में साफ़ कहा है कि अब वह हमास को समाप्त करके ही रहेंगे। इस प्रतिक्रिया को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। किंतु जब उसके देश के निरीह नागरिकों को कोई आतंकवादी संगठन कब्जे में ले ले और सैकड़ो रॉकेट दाग कर उसके लिए समस्या उत्पन्न कर दे, तो उनकी यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी।

यह सही है कि गाजा पट्टी में बड़ी घनी आबादी है एवं वहां जीने योग्य वातावरण भी नहीं है। इसे कई लोगों द्वारा दुनिया के सबसे बड़े खुले जेल का नाम तक दिया गया है। न वहां के लोगों के लिए कोई रोजगार है ना उनके लिए खाने-पीने की पर्याप्त व्यवस्था है। यह इसीलिए हुआ कि फिलीस्तीन में मुख्य रूप से दो राजनीतिक दल थे, फाताह और हमास। पश्चिम बैंक या वेस्ट बैंक पर फाताह का शासन है, वहीं दूसरी ओर गाजा पट्टी पर हमास ने कब्जा कर रखा है । यह उल्लेखनीय है कि 1967 में आक्रमण के बाद इजराइल ने फिलिस्तीन का बहुत बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में कर लिया था। गाजा पट्टी पर उसका नियंत्रण 2005 तक रहा। बाद में अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण इजरायल ने गाजा पट्टी से अपने आप को बाहर किया। उसके पश्चात जो चुनाव वहां पर हुए उसमें हमास को सफलता प्राप्त हुई। इजराइल और गाजा पट्टी के बीच तनाव की स्थिति बनी रहती है।

जो लोग हमास के हमले को उचित बता रहे हैं, उन्हें संभव है इस क्षेत्र के इतिहास की पूरी जानकारी नहीं है। यह सही है कि 1948 में ही इजराइल का जन्म हुआ और दुनिया भर के यहूदियों को यहाँ बसाया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि यहूदी धर्म इस्लाम से बहुत पुराना है और इसकी उत्पत्ति लगभग 4000 वर्ष पूर्व की मानी जाती है। इसी क्षेत्र में जेरूसलम है जहां यहूदी, ईसाई और इस्लाम को मानने वाले लोगों के धर्म स्थान स्थित हैं। जेरूसलम का क्षेत्रफल संयुक्त राष्ट्र संघ की निगरानी में है। हमास के आतंकी हमले के बारे में संयुक्त राष्ट्र संघ किसी भी प्रकार की, कोई प्रभावी कार्रवाई करने में असफल रहा है। जिस प्रकार निहत्थे हजारों नागरिक मारे गए हैं, उससे तो मानव ने अपने सभ्य होने पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। जो नागरिक गाजा में मारे जा रहे हैं उनमें से अधिकांश हमास के समर्थक नहीं है।

हमास को चाहिए कि वह बंधक बनाए गए सभी इजराइल के नागरिको को रिहा करे। आतंकवादी गतिविधियां समाप्त कर फ़िलीस्तीन को संयुक्त राष्ट्र संघ से मान्यता दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाएं। हमास के नेताओं को यह समझना होगा कि चाहे उसे कितना भी समर्थन ईरान आदि देशों से मिल रहा हो, उसके लिए यह संभव नहीं हो पाएगा कि वह इजरायल को युद्ध में परास्त कर सके ।

भारत के मुस्लिम समुदाय की सराहना की जानी चाहिए कि उसने हमास के समर्थन में कोई प्रदर्शन सार्वजनिक रूप से नहीं किया है । यह सही है कि गाजा पट्टी में रहने वाले लगभग सभी मुस्लिम हैं और इस्लाम को मानने वाले हैं। अब लोगों को यह पता लगने लगा है कि आतंकवाद को अपना करके अपनी खुद की आबादी का भी कोई भला नहीं किया जा सकता है। गाजा के उन लोगों को भी इजराइल की कार्रवाई का शिकार बनना पड रहा है जिनका कोई दोष नहीं है। इजराइल लगातार गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है जिसमें हमास के सैन्य ठिकानों के अतिरिक्त वहां के नागरिकों को भी बहुत नुकसान उठाना पड रहा है । इस क्षेत्र में बिजली और पानी की व्यवस्था चरमरा गई है । वहां के लोग बहुत ही दयनीय हालत में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इजराइल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह तब तक अपने हमले जारी रखेगा जब तक उसके नागरिकों को हमास द्वारा मुक्त नहीं किया जाता है। अभी तक इजरायली नागरिकों को हमास ने अपने कब्जे में ले रखा है जिसके वीडियो भी वह समय-समय पर प्रसारित कर रहे हैं जिन्हें देखकर रोंगटे खडे हो जाते हैं । मानवता के इतिहास में कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं जब सबको जाति, धर्म, देश से ऊपर उठकर मानवता के बारे में सोचना ही होगा। संयुक्त राष्ट्र संघ ने तो अपने आप को प्रभावहीन करके स्वयं की भूमिका लगभग समाप्त ही कर दी है । इजराइल द्वारा किए जा रहे हमलों को बर्बरतापूर्ण बताने वाले यह भूल जाते हैं कि जर्मनी के हिटलर ने 60 लाख यहूदियों का संहार किया था जिसे 'होलोकास्ट' के नाम से ज्यादा जाता है।

इजराइल के लोगों में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है और उन्होंने अपने सैन्य बल को भी बहुत बढ़ाया है । सैन्य टेक्नोलॉजी में आज भी इजराइल का कोई मुकाबला नहीं है । एक ऐसा देश जो सब तरफ से अरब देशों से घिरा हो वह केवल अपने आप को बचाने के लिए सदैव संघर्षरत रहता है। अपनी उत्कृष्ट सैन्य क्षमता के कारण ही सामान्यतया शत्रुओं के आक्रामक प्रयास को सफल नहीं होने देता है। यह आश्चर्य जनक है कि हमास के आतंकवादी इस अभेद्य किले को तोड़ने में सफल रहे हैँ। सबको आश्चर्यचकित करते हुए उन्होंने इजरायल पर सैकड़ो रॉकेट दागे, इसके बावजूद कि इसराइल ने अपने देश की सुरक्षा के लिए एक आयरन डोम की व्यवस्था की हुई है जो मिसाइलों को गिरने से पहले ही नष्ट करने की क्षमता रखता है।

दुनिया के कई देश हमास के आक्रमण को फिलिस्तीन की स्वतंत्रता से जोड़कर देख रहे हैं और इसी के कारण अनावश्यक्रम लोगों में भ्रम उत्पन्न हो रहा है। यह जानना आवश्यक है कि हजारों वर्ष पूर्व इस पर यहूदी ही रहते थे जो बाद में अलग-अलग स्थान पर विश्व में चले गए और दूसरे विश्वयुद्ध के बाद उन्हें सुरक्षा की दृष्टि से एक अलग देश इजराइल के नाम से सन 1948 में बनाया गया। इजरायल में लगभग एक करोड़ यहूदी लोग रहते हैं । वर्तमान में यहूदियों की दुनिया में आबादी लगभग डेढ करोड़ है। यह रोचक है कि किसी भी यहूदी का जन्म विश्व में किसी भी स्थान पर हो, तो उसे स्वत: इजरायल की नागरिकता प्राप्त करने का अधिकार मिल जाता है। यहूदी धर्म ईसाई और इस्लाम धर्म दोनों से कहीं अधिक पुराना है। इस्लाम, ईसाई और यहूदी तीनों धर्मों के पवित्र स्थल इसी क्षेत्र में ही स्थित हैं ।

वर्तमान में जो स्थिति बनी है उसका समाधान शीघ्र निकालने की आवश्यकता है। हिंसक घटनाओं के माध्यम से इसका हल निकल पाएगा, इसकी संभावना कम ही है । हमास को चाहिए कि वह बंधक बनाए गए सभी इजराइल के नागरिको को रिहा करे। आतंकवादी गतिविधियां समाप्त कर फ़िलीस्तीन को संयुक्त राष्ट्र संघ से मान्यता दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाएं। हमास के नेताओं को यह समझना होगा कि चाहे उसे कितना भी समर्थन ईरान आदि देशों से मिल रहा हो, उसके लिए यह संभव नहीं हो पाएगा कि वह इजरायल को युद्ध में परास्त कर सके ।

किसी भी देश के नागरिकों पर विशेष कर निहत्थे नागरिकों पर रॉकेट की वर्षा कर और अंधाधुंध फायरिंग कर उन्हें मारना घोर अमानवीय है और किसी भी आधार पर उसका समर्थन नहीं किया जा सकता है। जिस प्रकार की हैवानियत हमास ने दिखाई है, उसने खुद अपने ही नागरिकों का जितना नुकसान किया है वह अकल्पनीय है । और उन्हें अमानवीय जीवन जीने के लिए विवश कर दिया है । अरब देशों को चाहिए कि वह अंतरराष्ट्रीय जगत के माध्यम से दबाव बनाकर फ़िलीस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ से मान्यता दिलाए। इस क्षेत्र में शांति बहाल हुए बिना यहां पर गरीबी और अराजकता का माहौल ही बना रहेगा जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। इजराइल को भी चाहिए कि वह इंसानियत के तकाजे को समझते हुए गाजा पट्टी पर तत्काल आक्रमण बंद करे।

इजराइल के नागरिक और वहां के कुछ अखबार भी सवाल उठा रहे हैं कि हमास की हैवानियत की सजा गाजा के निरपराध नागरिकों को क्यों दी जा रही है? वहां के अल शिफा अस्पताल में लाशों के ढेर लग गए हैं, डॉक्टरों की कमी है, पानी-बिजली भी काट दी गई है । इजरायल द्वारा चेतावनी दी गई है कि उत्तरी गाजा पट्टी पर रहने वाले लोग दक्षिण की ओर चले जाएं। यह कैसे संभव है कि 10 लाख लोग एक साथ, एक स्थान से दूसरे स्थान पर विस्थापित हो जाएँ? इजराइल के अखबार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को भ्रष्ट और तानाशाह बताते हुए उनसे यह मांग कर रहा है कि नागरिकों पर होने वाले हमलों को तत्काल रोके। हैवानियत का उत्तर हैवानियत नहीं हो सकता। आज जो स्थिति इस क्षेत्र में बनी है उसका कारण केवल हमास की हैवानियत है जो 21वीं शताब्दी में अस्वीकार्य है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

आत्म-दीप्ति के उजास पर्व

संस्कृति की समरसता और सरसता को अनुभूत करना हो तो उत्सवों की क्रमबद्धता का अवलोकन करना चाहिए। श्राद्ध, नवरात्रि, दशहरा और फिर दिवाली। यह हमारे पुरातन सांस्कृतिक चिंतन की उत्कृष्टता और विशिष्टता है कि यह जीव, तत्व और भाव सबके संदर्भ पर्वों से जोड़ता है। विरासत में मिले ये पर्व पावनता का विस्तार कर हमारे जीवन का पथ प्रदर्शन करते हैं। इनसे जुड़ी सीख व्यवहार के लिए दीपज्योति है।

लोक में कहते हैं– सोलह श्राद्ध, नव नौरते, दस दशरावा और बीस दिवाली। दिवाली के दीप झिलमिलाएं, इसके लिए पूर्व पर्वों के पडाव अपना महत्व रखते हैं। श्राद्ध पितृपक्ष होने से अनुरंजन से अधिक श्रद्धा से जुड़ा पर्व है। यह भाव में दान, दया, करुणा और पावनता का आरोपण है। मां कहती थी– 'श्राद्ध के दिन भारी होते हैं।' यह बात फिर अनुभूति में उतर गई और श्राद्ध के दिन वस्तुत: भारी लगने लगे। पर यह भार दायित्व बोध का भार है। यह भार मनसा वाचा कर्मणा किए गए च्यूतकृत्यों का भार है। यह पश्चाताप के माध्यम से स्वयं को प्रक्षालित करने का अवसर है। यह श्रद्धा के भाव अर्पित कर निर्भार होने का उपक्रम है। पूर्वजों के प्रति हमारी जिम्मेदारी, सृष्टि के प्रति हमारी जिम्मेदारी से पृथक नहीं। श्राद्ध पक्ष हमें उत्तरदायी होने का भान कराता है। इसी भार से विहीन होने की राह भी सुझाता है श्राद्ध पक्ष।

पर श्राद्ध पक्ष की अमावस्या की रात्रि गुजरते ही जैसे सब कुछ सामान्य हो जाता है। वातावरण के साथ मन का भारीपन भी तिरोहित हो जाता और रह जाता है शक्ति के प्रति समादर भाव। मां का पूजन अर्थात सृष्टि के स्त्री तत्व का रेखांकन, यही सृजन की महत्ता का प्रतिपादन भी है। सभ्यता के प्रारंभ में मातृ पूजा के संदर्भ प्रमुखता से मिलते हैं। यह सभ्यता का विकास था या उसका पतन, कि समय के साथ नारी की महत्ता शास्त्रों तक सीमित हो गई। उसके अधिकार पुरुष के चिंतन के आधीन हुए। पर पर्वों ने उस ज्योत को जलाए रखा जिसकी झिलमिल में हम उस सृजन तत्व को बिसरा न दे। नवरात्रि स्त्री शक्ति की महत्ता के प्रति शीश झुकाने का पर्व है। पर मात्र शीश झुकाने से क्या होगा, समता और समरसता के साथ उसका अस्तित्व कायम रहे, यह समाज और सृष्टि के लिए अभीष्ट भी है।

नवरात्रि में शक्ति की पूजा मातृ तत्व में निहित सृजन की असीम शक्ति का द्योतक है। जो सृजन नहीं कर सकता उसे विनाश का अधिकार नहीं। स्त्री अपने रक्त मज्जा से सृजन कर सकती है तो यथावश्यकता उसे स्वयं के हृदय को वठा बनाकर आततायी को विनष्ट करने का भी अधिकार है। ऐसा करती भी है वह। शक्ति के दोनों ध्रुव, सृजन और विनाश, नवरात्रि पर्व की महिमा को बढ़ाते हैं। यद्यपि सृजन और विनाश के मध्य पालन-पोषण भी एक महत्वपूर्ण आयाम है, जिसे स्त्री अपनी दया, करुणा, संवेदना, ममत्व और स्वभाव के बल पर संपादित करती है। इस तरह नारी एक साथ ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध भूमिकाओं का निर्वहन करती है। इस नवरात्रि हम समाज की स्त्री शक्ति के प्रति अपने भावों में अधिक उदात्तता, अधिक श्रद्धा, अधिक मर्यादा भरें और फिर ये भाव हमारे हृदयों में शाश्वत रूप से आरोपित हो जाएं। ऐसा होगा तो यह दुनिया और अधिक खूबसूरत बन जाएगी। हम पर्वों की क्रमबद्धता की बात कर रहे थे। नवरात्रि के उपरांत दशहरा नकारात्मक शक्तियों के दहन का प्रतीक है। नवरात्रि में नवसंकल्प हमने लिए। जीवन और व्यवहार में घर कर गए और शेष रह गए कलुष्य दशहरा में स्वाहा कर दें। जब निराशाएं समाप्त हो जाती हैं, विश्वास सबल हो उठता है। विश्वास का वह प्रकटन रामतत्व का स्वरूप है। ऐसा जब हो जाता है, तो फिर दीपावली का शुभ आगमन होता है। दीप का जलना घर की प्राचीर को जगमग करना मात्र नहीं है। भगवान राम के स्वागत में अयोध्या जगमग हुई थी। यह प्रतीक हम अपने में धारण करें। हम अपनी देह को अयोध्या बना लें और इसमें मर्यादा पुरुषोत्तम का सानंद प्रवेश हो सके, इसके लिए आत्म ज्योति प्रज्वलित कर लें हम। राम को स्वयं में धारण करना उनकी पूजा से अधिक महत्वपूर्ण है और राम तिमिर-हृदयों में किस विध प्रवेश करेंगे? दीपावली हमारे जीवन के ही एक दीप बन जाने का उल्लास पर्व है। जब हम स्वयं प्रेम, स्नेह की ज्योति बन जाएंगे, दिवाली तभी सार्थक पर्व बन उभरेगा। अपनी आत्मा का प्रकाश जगाओ, यही राम का संदेश था, यही बुद्ध का संदेश था। यही संदेश हमारे सभी पर्वों का सार भी है।

–दशरथ कुमार सोलंकी,
निदेशक वित्त, जोधपुर
विकास प्राधिकरण।

किसानों को इंदिरा नहर से रबी की फसल में पूरा पानी मिलने की उम्मीद

जैसलमेर में रबी की फसल के लिए किसानों की साढ़े आठ दिन में बारी आएगी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के किसानों को इस बार इंदिरा नहर से रबी की फसल में पूरा पानी मिलने की उम्मीद है। जैसलमेर में नहरों की शुरूआत 1254 आरडी से होती है। गौरतलब है कि रबी की फसल के लिए तैयार हो चुके नहरी किसानों के लिए नहरी विभाग ने रेगुलेशन प्लान जारी कर दिया है। इसके तहत इस बार 1254 से नीचे की नहरों में नहरी विभाग द्वारा दो हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा।

रेगुलेशन के लिए नहरी विभाग द्वारा सभी वितरिकाओं को चार समूहों में बांटा गया है। हालांकि पहला ग्रुप जो 7 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक चलेगा उसमें चार में से दो, दूसरा ग्रुप जो 14 दिसंबर से 28 फरवरी तक चलेगा उसमें 3 में से 1 तथा तीसरा व अंतिम ग्रुप जो 28 फरवरी से 16 मार्च तक चलेगा। उसमें चार में से 2 समूहों का पानी चलाया जाएगा। इस बार नहरी विभाग द्वारा तैयार किए गए रेगुलेशन प्लान में एक बारी साढ़े आठ दिन में पूरी हो जाएगी। जिसके बाद दूसरी बारी में दो समूहों को पानी दिया जाएगा। नहरी विभाग के अधिकारियों का मानना है कि पहले रबी की फसल की

- **रेगुलेशन के लिए नहरी विभाग द्वारा सभी वितरिकाओं को चार समूहों में बांटा गया**

बुआई के लिए किसानों को पूरा पानी मिल जाएगा। इसके बाद फसलों को कम पानी की जरूरत रहेगी। तीसरे तथा अंतिम ग्रुप में फसलों को सिंचाई के लिए पानी की जरूरत होगी। इसके लिए ही पहले व तीसरे ग्रुप में 4 में से 2 समूहों को पानी दिया जाएगा। नहरी किसानों को इस बार रबी की फसल के लिए पूरा पानी मिलेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार पानी की भरपूर आवक रहेगी। जिससे पंजाब के बाद हनुमानगढ़, गंगानगर व बीकानेर में पूरा पानी सप्लाई होगा। पानी की भरपूर आवक से टेल पर बैठे जैसलमेर के किसानों को भी पूरा पानी मिलने की संभावना है। फिलहाल जरूरत से ज्यादा पानी नहरों में छोड़ा जा रहा है। जिससे उम्मीद है कि इस बार रबी की सीजन में नहरी किसानों को पानी की कमी नहीं आएगी।

अधीक्षण अभियंता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना रेगूलेशन हरीश छतवानी ने बताया कि इस साल रबी की फसलों के लिए नहरों का रेगुलेशन प्लान जारी हो गया है। जिसमें अगर जैसलमेर की बात करे तो जैसलमेर के लिए पर्याप्त पानी छोड़ा जाएगा। रेगुलेशन प्लान के हिसाब से जैसलमेर में 8.5 दिन में बारी बदलेगी। पहले ग्रुप में 4 में से 2 समूहों का पानी चलाया जाएगा। दूसरे ग्रुप में 3 में से 1 तथा तीसरे व अंतिम ग्रुप में फिर से 4 में से 2 समूहों में पानी चलाया जाएगा। जिससे फसलों को जब पानी की जरूरत होगी, तब बुआई व सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ का असर : जोधपुर में आंधी के साथ जमकर बारिश

जोधपुर, (कासं)। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुरूप प्रदेश में पश्चिम विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव आ गया है। रविवार कुछेक हिस्सों में सोमवर को जोधपुर शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में अलसुबह आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। मौसम बदलाव के साथ ही पारा भी गिर गया। आंधी चलने से शहर के अस्थाई तिब्बती मार्केट में सजी दुकान भरभरा कर गिर पड़ी, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। इधर शहर की सड़कों पर सुबह पानी ही पानी नजर आया। फिलहाल दिन में आसमान पर बादल छाए होने के साथ धूप भी खिली रही। विक्षोभ का असर मंगलवार तक बना रहेगा। ऐसे में कयास है कि मंगलवार को भी बारिश हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि हुई है। जिससे फसलों को भी नुक सान पहुंचा है। किसान अब रबी की बुवाई करने लगे है।

- **ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि होने से फसलों को भी नुकसान पहुंचा**
- **मौसम विभाग की माने तो मंगलवार तक विक्षोभ का असर बना रहेगा**

प्रदेश पर बने पश्चिमी विक्षोभ के असर से मारवाड़ में सुबह मौसम अचानक से बदल गया। अलसुबह शहर में धूल भर आंधी चलने के साथ जोरदार बारिश हुई। कई लोग तो नींद में थे, जाग होने पर पता लगा कि बारिश हो रही है। बारिश से मौसम में अचानक से ठंडक घुल गई। प्रदेश में पारा लगातार 35-40 डिग्री के बीच चल रहा था जोकि आज थम गया है। सुबह तक तापमान 32 डिग्री तक पहुंच गया।

मौसम विभाग की मानें तो मंगलवार तक विक्षोभ का असर बना रहेगा, जिसके चलते प्रदेश में कुछ हिस्सों में बादल, बारिश और ओले गिर सकते है। सूर्यनगरी में दोपहर में धूप खिल गई। मगर आसमां में बादलों डेरा भी है। सूर्यदेव की बादलों की ओट में लुकाछिपी चल रही है।

सफाई कर्मियों की हड़ताल से सफाई व्यवस्था चौपट

सांभरझील, (निसं)। सांभर पर्यटन नगरी में कई दिनों से सफाई व्यवस्था चौपट बनी हुई है, अनेक जगहों पर फैला कचरा और गंदगी ने पर्यटक नगरी की शोभा को बिगाड़ कर रख दिया है। सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए जाने के लिए पालिका प्रशासन के स्तर से कोई प्रयास होते दिखाई नहीं दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार विगत कई दिनों से 60 के करीब अनियमित कर्मचारी जिन्हें ठेका पद्धित पर नगर की साफ सफाई के लिए रखा हुआ है उन्हें करीब 5 माह से वेतन के लाले पड़े हुए हैं। पृथ्वीराज सर्कल से तेली दरवाजा रोड होते हुए नकाशा चौक से पुरानी धान मंडी तक प्रतिदिन सैकड़ों जायरीन, ख्वाजा साहब की चौखट चूमने आते हैं। दरगाह के ठीक सामने ही दिगंबर जैन समाज का बड़ा मंदिर है। पुरानी धान मंडी रामलीला रंगमंच है जहां पर हनुमान जी का मंदिर है। दरगाह के पीछे ही रकत्या भैरुजी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। जहां आसपास के सैंकड़ों ग्रामीण भेरुजी को अरदास करने आते हैं। सांभर में इन प्रमुख स्थानों पर गंदगी और कचरा, टूटी फूटी सड़क होने के बाद भी पालिका प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रिय बनी हुई है।

सांभर में अंबेडकर मार्ग से स्वतंत्रता सैनानी जाने वाली लिंक रोड पर कचरे के ढेर लगे हुये है।

- **पर्यटन नगरी सांभर की गंदगी और कचरे से शोभा बिगड़ी**
- **अनियमित सफाई कर्मियों की हड़ताल नहीं टूटने से हालात विकट हुए**

आवारा जानवरों का झुंड पुरानी चारा मंडी गंदगी के ढेर में मुंह मारते देखे जा सकते हैं वहीं दूसरी तरफ अंबेडकर मार्ग से स्वतंत्रता सैनानी सदाशिव व्यास मार्ग जाने वाली लिंक रोड पूरी कचरा और गंदगी से अटी पड़ी है। यहां के दुकानदारों ने कई दफा अध्यक्ष और पालिका प्रशासन को भी बता दिया लेकिन कोरे आश्वासन ही मिल रहे हैं।

राशिफल मंगलवार 17 अक्टूबर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, विशाखा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, प्रीति योग प्रात: 9:21 तक, तैतिल करण दिन 1:20 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:20 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कार्तिक संक्रांति है। सूर्य तुला में प्रवेश रात्रि 1:17 पर करेगा। आज रवि उलसानि मु.मास 4 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:21 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:43 से 1:38 तक, शुभ 3:03 से 4:28 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:31, सूर्यास्त 5:54

मेष

अपने अति आवश्यक कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर प्राथमिकता से ध्यान देना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष

स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मित्रों-रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त हो सकते हैं। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों का विस्तार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

तुला

अपने अति महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिकसफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कर्क

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिकआर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। अभी नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।